प्रतिक्रियाएं / Feedback

विज्ञान प्रकाश शोध पत्रिका में शोध पत्र प्रकाशित करने की यात्रा अत्यंत रोमांचक रही। यह मेरे लिए अत्यंत सम्मान एवं गौरव का क्षण है कि मेरा शोध पत्र प्रतिष्ठित शोध पत्रिका में प्रकाशित हो रहा है। सम्पादन प्रक्रिया अत्यंत व्यवस्थित और सहायक रही। प्रधान सम्पादक ने जिस तन्मयता से मेरा इस दौरान मार्गदर्शन किया, उससे मुझे शोध पत्र को और बेहतर बनाने का अवसर मिला। मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस पत्रिका में प्रकाशन से मेरे इस शोध कार्य को नई पहचान मिलेगी।

– विजय लक्ष्मी, शोधार्थी, CSIR & NIScPR, New Delhi, vijaylakhmi708@gmail.com

विज्ञान प्रकाश शोध पत्रिका द्वारा विज्ञान एवं तकनीकी के क्षेत्र में शोध पत्रों के प्रकाशन से वैश्विक पटल पर हिंदी भाषा का परचम निरंतर लहराया जा रहा है। इसके लिए विज्ञान प्रकाश शोध पत्रिका के सम्पादक मंडल को साधुवाद।

– कीर्ति वर्मा, GGITS, Jabalpur, kirtivrm3@gmail.com

विज्ञान प्रकाश पत्रिका द्वारा हिंदी भाषा में शोध पत्रों को प्रकाशित करने की पहल सराहनीय है। इस प्रयास से विज्ञान एवं तकनीकी के क्षेत्र में हिंदी भाषा को उचित सम्मान मिल रहा है। यह इंगित करता है कि विज्ञान एवं तकनीकी के क्षेत्र में नवाचारों का प्रसार हिंदी भाषा में उतना ही प्रभावी है जितना कि अंग्रेज़ी भाषा में। विज्ञान प्रकाश शोध पत्रिका की पूरी टीम को इस पुनीत कार्य के लिए कोटि–कोटि बधाई।

– महेश मनवानी, Engineering College Ajmer, maheshmanwani@ecajmer.ac.in

विज्ञान प्रकाश पत्रिका द्वारा हिंदी भाषा में शोध पत्रों का प्रकाशन करने की पहल निरंतर हमारे समाज को वैज्ञानिक नवाचारों से अवगत कराती है। यह कदम हमारी भाषा व सांस्कृतिक विरासत के प्रति गर्व का अभिवादन है। ग्रामीण अंचलों से सम्बंधित युवा शोधार्थियों को भी हिंदी भाषा में अपने नवाचारों से विज्ञान प्रकाश पत्रिका के जरिये देश के वैज्ञानिक समुदाय को साझा करने का अवसर मिलता है।

– धीरेन्द्र कुमार शर्मा, Bundelkhand University Jhansi, dhirendra.dr@rediffmail.com